

## **Regarding progress and status of schemes under Jal Jeevan Mission in Mau district of Uttar PradeshLaid**

श्री राजीव राय (घोसी) : जल जीवन मिशन (जेजेएम) 2019 में 2024 तक प्रत्येक ग्रामीण परिवार को पीने के नल के पानी की आपूर्ति प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू किया गया था, जिसका लक्ष्य प्रति व्यक्ति प्रति दिन 55 लीटर है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, 2024 तक इसमें 15 करोड़ परिवार (ग्रामीण भारत का 80%) शामिल थे। इस बीच, केंद्रीय बजट 2025-26 में, शेष (20%) ग्रामीण परिवारों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से जेजेएम को 2028 तक बढ़ा दिया गया है।

सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए ये आंकड़े उत्तर प्रदेश के कई जिलों में, विशेषकर मेरे अपने निर्वाचन क्षेत्र में जेजेएम की वास्तविक तस्वीर प्रस्तुत करने में विफल रहे हैं। वास्तव में मऊ में 1470 गांव हैं और सरकारी आंकड़ों के अनुसार अब तक 803 गांव ऐसे हैं जिनमें 100 प्रतिशत घरों में नल कनेक्शन हैं, जबकि 656 गांवों में काम प्रगति पर है और 11 गांवों में जलापूर्ति का काम अभी शुरू होना बाकी है। मेरे निर्वाचन क्षेत्र के गांवों, जहां जेजेएम का कार्य चल रहा है, वहाँ गरीब लोग वस्तुतः प्रताड़ित हो रहे हैं क्योंकि कार्य करने में लगा ठेकेदार जिन सड़कों/गलियों को खोदता है उन्हें लंबे समय तक न तो कवर किया जाता है और न ही ठीक से मरम्मत की जाती है, जिससे लोगों को दुर्घटनाओं का खतरा हो जाता है जिनकी संख्या में भी काफी वृद्धि हुई है। मैं सभा को यह भी सूचित करना चाहूंगा कि सरकार द्वारा बड़े दावों के बावजूद मेरे निर्वाचन क्षेत्र में ऐसे अनेक परिवार हैं जो अभी भी इस योजना के लाभों से वंचित हैं। इसके अलावा, बुनियादी ढांचे की गुणवत्ता, ग्रामीण पाइप जलापूर्ति प्रणालियों का संचालन और रखरखाव, जो कुछ गांवों में लागू किया गया था, वह भी बहुत चिंता का विषय है।

मैं सरकार से अनुरोध करता हूँ कि वह मऊ में जल जीवन मिशन (जेजेएम) की प्रगति और स्थिति की जांच करे और जल जीवन मिशन का कार्य करने वाले ठेकेदारों द्वारा क्षतिग्रस्त और नष्ट की गई सड़कों की मरम्मत का आदेश दे।